भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2709 का उत्तर

अयोध्या और अम्बेडकर नगर के लिए प्रस्तावित रेल-लाइन परियोजनाएं

2709. श्री लालजी वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में विशेषकर उत्तर प्रदेश के अयोध्या और अम्बेडकर नगर में 2019 से अब तक वर्ष-वार कितनी नई रेल लाइनों का निर्माण किया गया है और कितनी नई रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं;

(ख) वर्ष 2019 से अब तक अयोध्या और अम्बेडकर नगर जिलों के लिए कितनी परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं; और

(ग) क्या सरकार का विचार बस्ती जिले को अम्बेडकर नगर के अकबरपुर टांडा से जोड़ने के लिए कोई नई परियोजना बनाने का है और यदि हां, तो इसके पूरा होने की समय-सीमा क्या निर्धारित की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

अयोध्या और अम्बेडकर नगर के लिए प्रस्तावित रेल-लाइन परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में श्री लालजी वर्मा के अतारांकित प्रश्न सं. 2709 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं की स्वीकृति क्षेत्रीय रेल-वार की जाती है न कि राज्य/जिला-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

भारतीय रेल में 2019-20 से चालू वर्ष 2024-25 तक, 32,650 करोड़ रुपए की लागत वाली 1428 किलोमीटर कुल लंबाई की अयोध्या और अंबेडकर नगर सहित 23 नई लाइन परियोजनाओं को कमीशन कर दिया गया है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान 1,37,849 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 9,235 किलोमीटर लंबाई की 126 मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाएं, और 19,370 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 2,784 किलोमीटर कुल लंबाई की 19 आमान परिवर्तन परियोजनाएं कमीशन कर दी गई हैं।

हाल ही में, क्षमता आवर्धन परियोजनाओं अर्थात् अयोध्या और अंबेडकर नगर जिलों में पूर्णतः/अंशतः आने वाली बाराबंकी- अकबरपुर (161 किमी.) और जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) (77 किमी.) का दोहरीकरण कमीशन कर दिया गया है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 7.44 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 44,488 किलोमीटर कुल लंबाई की 488 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से मार्च 2024 तक 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और 2.92 लाख करोड़ रुपये का लगभग व्यय किया जा चुका है।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रवार-/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

भारतीय रेल में, नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंड का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कुल कमीशन लंबाई	औसत कमीशन लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशन की तुलना में वृद्धि
2009-14	7,599 किमी.	4.2 किमी. प्रतिदिन	-
2014-24	31,180 किमी.	8.54 किमी. प्रतिदिन	2 गुना से अधिक
2023-24	5,309 किमी.	14.54 किमी. प्रतिदिन	3 गुना से अधिक

वर्ष 2019 से अयोध्या धाम के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 03 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस यथा 22549/50 गोरखपुर-प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस, 22425/26 अयोध्या कैंट-आनंद विहार (टमि.) वंदे भारत एक्सप्रेस और 22345/46 पटना-गोमतीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 05 जोड़ी गाड़ियां शुरू की गई हैं। भारतीय रेल पर नई रेल सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

2019-20 से चालू वित्त वर्ष तक, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 9010 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली 696 किलोमीटर कुल लंबाई की 11 परियोजनाएं (1 नई लाइन, और 10 दोहरीकरण) को बजट में शामिल किया गया है और इसी अवधि के दौरान लगभग 5,157 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 702 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (03 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है। अयोध्या और अंबेडकर नगर जिलों से गुजरने वाली इन स्वीकृत परियोजनाओं में, अयोध्या बाईपास लाइन (1.5 किमी) और अयोध्या कैंट (सलारपुर-मसौधा के बीच) में कॉर्ड लाइन (6 किमी) शामिल हैं। इनके अलावा, उत्तर प्रदेश राज्य में 157 स्टेशनों को 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें अयोध्या जिले में, अयोध्या धाम, भरतकुंड, दर्शननगर और रामघाट हॉल्ट और अंबेडकर नगर जिले में, अकबरपुर जंक्शन शामिल हैं।

अकबरपुर, टांडा और बस्ती पहले से ही अयोध्या और मनकापुर के माध्यम से भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। बहरहाल, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए टांडा-अकबरपुर-कटहरी (4 किमी.) के बीच कॉर्ड लाइन का सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। बहरहाल, भारतीय रेल में रेल परियोजनाओं को स्वीकृत करना एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल परियोजनाओं को स्वीकृत करना भारतीय रेल की एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोणों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों आदि पर निर्भर करता है।

******